ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 07-02-2025

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-02-07 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-02-08	2025-02-09	2025-02-10	2025-02-11	2025-02-12
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	16.0	17.0	18.0	18.0	18.0
न्यूनतम तापमान(से.)	4.0	5.0	5.0	6.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	35	35	35	40
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	30	30	30	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	8	7	6	7
पवन दिशा (डिग्री)	320	330	320	310	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	4	2	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी दिनों में बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16.0-18.0 डिग्री सेल्सियस और 5.0- 6.0 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। हवा मुख्य रूप से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से 6-8 किमी/घंटा की गति से चलने की उम्मीद है। शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में नियमित अपडेट "मेघदूत ऐप" पर उपलब्ध है, जबकि बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 7 से 13 फरवरी के दौरान बड़ी कमी वाली वर्षा और सामान्य से कम अधिकतम और सामान्य न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति को दर्शाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, शुष्क मौसम की उम्मीद है, इसलिए सिंचाई की जानी चाहिए और रोग-कीटों के खिलाफ स्प्रे की योजना तदनुसार बनानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर की दाल	फसल की नियमित रूप से निराई-गुड़ाई और निराई-गुड़ाई की निगरानी की जानी चाहिए, जबकि आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। पौधों में सड़न की समस्या होने पर उचित फफूंदनाशक का प्रयोग करके उसका उपचार किया जा सकता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रेपसीड	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए तथा समय-समय पर सिंचाई की जानी चाहिए। बीमारियों की निगरानी की जानी चाहिए तथा नियंत्रण के उपाय किए जाने चाहिए।
गेहूँ	सिंचाई आवश्यकतानुसार करनी चाहिए तथा सिंचाई के बाद यूरिया का प्रयोग करना चाहिए।
जौ	यूरिया का प्रयोग वर्षा के बाद तथा आवश्यकतानुसार नमी आने पर करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
शिमला मिर्च	बीजों को तैयार नर्सरी में बोया जाना चाहिए तथा पौधों को पाले और अत्यधिक ठंड से बचाने के लिए हवा और पानी की उचित आवाजाही वाले प्लास्टिक कवर का उपयोग करना चाहिए।
सब्जी पीईए	फसल की नियमित रूप से निराई-गुड़ाई और निराई-गुड़ाई की निगरानी की जानी चाहिए, जबकि आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। पौधों में सड़न की समस्या होने पर उचित फफूंदनाशक का प्रयोग करके उसका उपचार किया जा सकता है।
पालक	ठंड से होने वाली क्षति से बचने के लिए समय-समय पर सिंचाई की जानी चाहिए और ठंड की स्थिति से बचाने के लिए उचित उपाय किए जाने चाहिए।
आलू	आलू में पछेती झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए मैन्कोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।
सेब	सेब और बीज वाले फलों में फल सड़न रोग को नियंत्रित करने के लिए तने के आस-पास के क्षेत्र से मिट्टी हटा देनी चाहिए ताकि सूर्य की किरणें सीधे प्रभावित पेड़ के तने में प्रवेश कर सकें। प्रभावित छाल को हटाकर मिट्टी के आवरण के साथ चौबटिया पेस्ट लगाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए टीकाकरण करवाएं। पशुओं की अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि करें।
भेंस	पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए टीकाकरण करवाएं। पशुओं की अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि करें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	उनके भोजन में फफूंद वृद्धि के कारण होने वाले एफ्लाटॉक्सिओसिस के लिए पशु चिकित्सक के अनुसार दवा दी जानी चाहिए।